भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2250

08 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषयः नमो ड्रोन दीदी योजना का कार्यान्वयन

2250. डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में नमो ड्रोन दीदी योजना लागू की है और इस हेतु वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिए 1261 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया है;

(ख) क्या इस योजना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों को व्यवसाय और आजीविका सहायता प्रदान करना और उन्हें उपलब्ध कराए गए ड्रोन का उपयोग किसानों को तरल उर्वरकों और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए किराये पर सेवाएं प्रदान करने हेतु करना है; और

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में स्वयं सहायता समूहों को अब तक प्रदान की गई व्यवसाय और आजीविका सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग): सरकार ने वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिए 1261 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन उपलब्ध कराने हेतु केंद्रीय क्षेत्रक योजना के रूप में 'नमो ड्रोन दीदी' को मंजूरी दी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि में उन्नत तकनीक को बढ़ावा देना, क्षमता में सुधार करना, फसल उपज में वृद्धि और संचालन लागत में कमी लाना और स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन सेवा प्रदाता के रूप में सशक्त बनाना है ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके और उन्हें आजीविका सहायता प्रदान की जा सके। प्रमुख उर्वरक कंपनियों (एलएफसी) ने अपने आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके वर्ष 2023-24 में स्वयं सहायता समूहों की ड्रोन दीदियों को 1094 ड्रोन वितरित किए हैं। इन 1094 ड्रोनों में से 500 ड्रोन नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत वितरित किए गए है। कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार, एलएफसी ने महाराष्ट्र राज्य में 47 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को नैनो उर्वरकों के छिडकाव हेतु ड्रोन प्रदान किए हैं। एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट एंड रूरल ट्रांसफॉर्मेशन सेंटर (एडीआरटीसी), बैंगलोर द्वारा किए गए अध्ययन से स्पष्ट होता है कि एलएफसी द्वारा स्वयं सहायता समूहों को प्रदान किए गए ड्रोन ने ड्रोन तकनीक के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियों में उनके योगदान का विस्तार किया है, जिससे उनकी दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। समग्र रूप से, ड्रोन प्रौद्योगिकी को अपनाने से स्वयं सहायता समूहों की कार्यकलापों में विविधता आई है, कृषि पद्धतियों में सुधार हुआ है और ग्रामीण समुदायों में महिलाओं के लिए आय के अवसरों में वृद्धि हैं।

*****